वर्षों से परीक्षा मानधन में नहीं हुई बढ़ोतरी

एक उत्तर पत्रिका मूल्यांकन पर 7 रुपये मानधन
- 1,000 पेपर के मॉडरेशन पर 2,500 रुपये मानधन
- परीक्षकों को प्रति पेपर 25 रुपये मानधन

नवभारत न्यूज

नागपुर, महानगर संवाददाता. एक ओर जहां शिक्षकों के वेतन में वृद्धि की गई. बोर्ड की परीक्षा शुल्क में भी वृद्धि हुई लेकिन उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन, मॉडरेशन और परीक्षकों के मानधन में पिछले 9 वर्षों से

बोर्ड - शिक्षकों में असंतोष, विभाग गंभीर नहीं

बढ़ोतरी नहीं की गई. शिक्षक संगठनों द्वारा हर बार इस मुद्दे को रखा जाता है और आश्वासन भी मिलता है लेकिन शिक्षा विभाग द्वारा ध्यान नहीं दिया जा रहा है. यही वजह है कि शिक्षकों में असंतोष का माहौल बना हुआ है.

बोर्ड परीक्षा की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं. इन दिनों परीक्षा केंद्रों में संबंधित सामग्री भेजी जा रही है. वहीं परीक्षा से कुछ दिन पहले उत्तर पत्रिकाएं और प्रश्न पत्र भेजे जाएंगे लेकिन शिक्षकों में नाराजगी का माहौल बना हुआ है. इसकी मुख्य वजह मूल्यांकन के मानधन में वृद्धि नहीं होना है. 2017 में मानधन में वृद्धि की गई थी. उसके बाद से कोई बड़ी बढ़ोतरी नहीं हुई है. बोर्ड द्वारा 12वीं के एक पेपर के मूल्यांकन के लिए 7 रुपये दिए जाते हैं. वहीं 1,000 उत्तर पत्रिकाओं के मॉडरेशन के लिए 2,500 रुपये मिलते हैं. यदि 1,000 से ज्यादा उत्तर पत्रिकाएं हुईं तो फिर प्रति उत्तर पत्रिका 2 रुपये मानधन मिलता है. वहीं केंद्र में ड्यूटी करने वाले परीक्षकों को महज 25 रुपये प्रति दिन मिलता है. पिलछे दिनों हुई बोर्ड की बैठक में शिक्षक संगठनों ने मानधन में 10-15 फीसदी वृद्धि की मांग की. बोर्ड द्वारा आश्वासन भी मिला लेकिन मामला मुख्यालय स्तर पर होने के कारण आखिरकार बात आश्वासन पर आकर ही टिक गई.

फीस से विभाग को मिले 7 करोड़

इस वर्ष नागपुर विभाग में 1,60,292 छात्रों ने पंजीयन कराया है. 12वीं में प्रति छात्र 370 रुपये परीक्षा शुल्क वसूला जाता है. इस तरह विभाग को फीस के माध्यम से करीब 7 करोड़ रुपये मिले हैं. बोर्ड द्वारा परीक्षा संचालित करने के लिए केंद्रों को खर्च दिया जाता है. वहीं बाकी खर्च मूल्यांकन, मॉडरेशन और परीक्षकों पर किया जाता है. हालांकि छात्रों से मिलने वाली फीस और खर्च के बीच तुलना नहीं की जा सकती लेकिन महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा मानधन में पिछले 9 वर्षों से बढ़ोतरी नहीं करने पर भी सवाल उठने लगे हैं. इस बार बोर्ड ने परीक्षकों यानी पर्यवेक्षकों की अदला-बदला का निर्णय लिया है. यानी ग्रामीण भागों के शिक्षक शहरी और शहरी भागों के शिक्षक ग्रामीण परीक्षा केंद्रों में ड्यूटी करेंगे. शिक्षक संगठनों का कहना है कि जब अदला-बदली का निर्णय लिया गया तो फिर परीक्षकों के मानधन को 25 रुपये से बढ़ाकर करीब 35 रुपये तक किया जाना चाहिए.

हाईवे पर दिक्कत तो डायल करें 1033

नागपुर, शहर प्रतिनिधि. राष्ट्रीय राजमार्गों पर सुरक्षित यात्रा को बढ़ावा देने और यात्री सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है. इस पहल के तहत एनएचएआई ने एक टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर '1033' शुरू किया है, जो 24 घंटे, 365 दिन सहायता प्रदान करेगा. यह हेल्पलाइन राष्ट्रीय राजमार्गों पर यात्रियों को आपातकालीन और गैर-आपातकालीन मुद्दों में मदद करेगी. इस हेल्पलाइन पर 'मल्टी-लिंगुअल' सपोर्ट मिलेगा, जिससे विभिन्न भाषाओं के यात्री बिना किसी परेशानी के अपनी समस्याओं का समाधान कर सकते हैं. हेल्पलाइन नंबर न केवल यात्री सुरक्षा से जुड़े मामलों में, बल्कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर अन्य समस्याओं जैसे कि फास्टैग से संबंधित शिकायतें, टोल प्लाजा की सुविधाओं और सड़क की हालत, गड्ढे, स्ट्रीट लाइट्स, और टोल शुल्क से संबंधित मुद्दों का समाधान भी करेगा.

400 करोड़ का बजट मंजूर, फिर भी 150 मीटर के कारण अटका

बिडगांव-भंडारा रोड - हाई कोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब

नागपुर. जिले में बिडगांव से भंडारा तक के सड़क निर्माण कार्य में हो रही अत्यधिक देरी और इसके कारण स्थानीय नागरिकों को होने वाली परेशानियों को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई के बाद न्यायाधीश अनिल किल्होर और न्यायाधीश राज वाकोडे ने कड़ा रुख अपनाया. इस संदर्भ में प्रतिवादियों को नोटिस जारी कर विस्तृत जवाब पेश करने का आदेश राज्य सरकार को दिया. याचिकाकर्ता की अधि. स्वप्निल शिंगणे ने पैरवी की.

सिर्फ 150 मीटर के कारण यातायात प्रभावित

जनहित याचिका में याचिकाकर्ता रूपेश तडस ने बताया कि मार्च 2023 के बजट में इस सड़क परियोजना के लिए 400 करोड़ रुपये का भारी-भरकम फंड आवंटित किया गया था. इस परियोजना में नरसाला से गारगोटी, दिघोरी नाका से खरबी (राऊतनगर मार्ग), जिजामातानगर से तरोडी (खुर्द) और बिडगांव एनएच-6 से नवीननगर तक के विभिन्न मार्गों का विकास शामिल है. याचिका के अनुसार, केवल 150 मीटर का लिंक रोड अधूरा होने के कारण पूरे मार्ग पर यातायात बुरी तरह बाधित हो रहा है. याचिकाकर्ता की पैरवी कर रहे अधि. शिंगणे ने मांग की है कि सार्वजनिक निर्माण विभाग को इस कार्य को तत्काल पूरा करने का निर्देश दिया जाए.

जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया अब तक अधूरी

इस मामले में एक चौंकाने वाला तथ्य यह सामने आया है कि सड़क का काम धन की कमी से नहीं बल्कि प्रशासनिक ढिलाई के कारण अटका है. याचिकाकर्ता ने 4 अप्रैल 2025 को लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को कानूनी नोटिस भेजकर काम शुरू करने की विनती की थी. इसके जवाब में 4 जून 2025 को प्रशासन ने यह स्वीकार किया कि संबंधित परियोजना के लिए अभी तक जमीन का अधिग्रहण पूरा नहीं हुआ है जिसके कारण निर्माण कार्य रुका हुआ है. याचिकाकर्ता का कहना है कि बजट में प्रावधान होने के बावजूद वर्षों से काम लटका रहना प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है.

एक नजर में

मां ताप्ती जन्मोत्सव पर 20 जुलाई को अवकाश

मुलताई। मां ताप्ती जन्मोत्सव के अवसर पर जिला प्रशासन ने स्थानीय अवकाश की तिथि में आंशिक संशोधन किया है। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी द्वारा जारी आदेश के अनुसार अब मां ताप्ती जन्मोत्सव पर 21 जुलाई 2026 मंगलवार के स्थान पर 20 जुलाई सोमवार को स्थानीय अवकाश रहेगा। यह अवकाश जिले के कोषालय एवं उपकोषालयों को छोड़कर समस्त शासकीय कार्यालयों में लागू होगा। पूर्व में घोषित अन्य स्थानीय अवकाश यथावत रहेंगे।

मंडल संयोजक एवं सह संयोजक नियुक्त

मुलताई। विधानसभा क्षेत्र मुलताई में जी राम जी अभियान के लिए भाजपा जिला अध्यक्ष सुधाकर पवार द्वारा नगर मंडल मुलताई, दुनावा मंडल, प्रभात पट्टन मंडल, मासोद मंडल, साईखेड़ा मंडल में संयोजक एवं सहसंयोजक की नियुक्ति की गई। भाजपा मीडिया प्रभारी राम चरण मालवीय ने बताया भाजपा जिला अध्यक्ष सुधाकर पवार ने मुलताई विधानसभा के पांचो मंडल अध्यक्ष की सहमति से जी राम जी अभियान के लिए संयोजक एवं सह संयोजकों की नियुक्ति की गई। जिसमें नगर मंडल मुलताई में नंदकिशोर बरखाडे को संयोजक, रामदास साहू, संजय सोनी सहसंयोजक, दुनावा मंडल में महेंद्र कास्लेकर संयोजक, राजू धोटे एंव गजानन गावंडे को सह संयोजक, प्रभात पट्टन मंडल में शीतल सिंह राठौड़ को संयोजक, मंगल नरवरे, चंद्रशेखर देशमुख (मंडल उपाध्यक्ष) को सह संयोजक नियुक्त किया गया।

पेड़ पर चढ़ी महिला की करंट लगने से मौत

बैतूल। बैतूल बाजार थाना क्षेत्र के हणोतिया गांव में एक दर्दनाक हादसा हो गया। खेत में काम कर रही एक महिला की करंट लगने से मौत हो गई। इस घटना से गांव में शोक का माहौल है और परिजन गहरे सदमे में हैं। मिली जानकारी के अनुसार 45 वर्षीय कमलती पति पंजाब राव परते खेत में बकरियों के लिए पत्तियां तोड़ने पेड़ पर चढ़ी थीं। इसी दौरान उनका संतुलन बिगड़ गया और वह नीचे गिरने लगीं। गिरते समय उन्होंने खेत के पास से गुजर रही बिजली की मेन लाइन का तार पकड़ लिया। तार में तेज करंट होने के कारण महिला को जोर का झटका लगा और वह जमीन पर गिर पड़ीं। हादसे के बाद महिला को जिला अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मराठी स्कूलों को बचाने की क्या है नीति? , हाई कोर्ट ने राज्य सरकार से मांगा जवाब

नगर संवाददाता

नागपुर. महानगरपालिका के मराठी स्कूलों के भविष्य को लेकर गहरी चिंता जताते हुए 'अखिल भारतीय दुर्बल समाज विकास संसाधन संस्था' द्वारा मराठी स्कूलों को बचाने के लिए जनहित याचिका दायर की गई. इस पर सुनवाई के बाद न्यायाधीश अनिल किल्होर और न्यायाधीश राज वाकोडे ने राज्य सरकार से मराठी स्कूलों के संरक्षण के लिए उनकी मौजूदा नीतियों पर विस्तृत जवाब मांगा है. कोर्ट ने राज्य सरकार को इस संबंध में एक विस्तृत शपथ पत्र पेश करने का आदेश दिया है, साथ ही अदालत ने अन्य राज्यों में वहां की स्थानीय भाषाओं को दिए जाने वाले संरक्षण के तरीकों का भी जायजा लेने को कहा है.

अंग्रेजी स्कूलों को बढ़ावा, मराठी की अनदेखी

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील अधि. आशुतोष धर्माधिकारी ने दलील दी कि एक तरफ जहां राज्य सरकार द्वारा अंग्रेजी स्कूलों को संरक्षण मिल रहा है वहीं दूसरी तरफ मराठी स्कूल लगातार बंद हो रहे हैं. उन्होंने अदालत को बताया कि इन मराठी स्कूलों से शिक्षा प्राप्त करने वाले कई छात्रों ने भविष्य में उच्च पद हासिल किए हैं लेकिन वर्तमान में इन स्कूलों की स्थिति अत्यंत दयनीय है. अधि. धर्माधिकारी ने मांग की कि इन स्कूलों में आधुनिक सुविधाएं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षकों की नियुक्ति अनिवार्य है.

इच्छाशक्ति की कमी पर मनपा को फटकार

महानगरपालिका ने स्कूलों की खराब स्थिति के लिए छात्रों की कमी को जिम्मेदार ठहराया था. इस पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए खंडपीठ ने कहा कि ऐसी जर्जर अवस्था देखकर कौनसे माता-पिता अपने बच्चों का भविष्य खतरे में डालेंगे? अदालत ने स्पष्ट किया कि यदि मनपा में इच्छाशक्ति हो तो स्कूलों का उद्धार संभव है लेकिन यदि मंशा न हो तो स्कूल बंद करने के सैकड़ों बहाने मिल जाएंगे. अदालत ने मनपा को उनकी व्यवस्थागत कमियों के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि वे स्कूलों को आधुनिक बनाने में विफल रहे हैं. कोर्ट ने कहा कि राज्य के कई जिला परिषद स्कूलों में छात्र सुबह आकर पहले सफाई करते हैं और फिर पढ़ाई शुरू होती है जिसे अदालत ने एक त्रासदी करार दिया.

CR नागपुर : 'कवच' का बढ़ता दायरा

नागपुर, नगर प्रतिनिधि. मध्य रेलवे के नागपुर मंडल में ट्रेन परिचालन को और अधिक सुरक्षित बनाने की दिशा में अत्याधुनिक 'कवच' ट्रेन टक्कर निरोधक प्रणाली (टीसीएएस- ट्रेन कोलिज अवॉइडेंस सिस्टम) के कार्यान्वयन में तेजी लाई गई है. मंडल

3 स्टेशन, 4 लेवल क्रॉसिंग हुए सिस्टम से लैस

के अंतर्गत प्रस्तावित 94 स्टेशनों में से अब तक 3 स्टेशनों पर स्टेशन टीसीएएस का सफलतापूर्वक परीक्षण किया जा चुका है, जबकि 9 अन्य स्टेशनों पर स्थापना एवं परीक्षण का कार्य प्रगति पर है. इसके साथ ही समपार फाटकों की सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से 4 स्थानों पर लेवल क्रॉसिंग-टीसीएएस भी स्थापित किया गया है जिससे सड़क एवं रेल यातायात के बीच होने वाली दुर्घटनाओं की आशंका कम होगी.

RFID टैग की स्थापना लगभग पूर्ण

कवच प्रणाली के फेजङ्कवन के तहत रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (आरएफआईडी) टैग की स्थापना लगभग पूर्ण हो चुकी है. कुल निर्धारित 8,460 टैगों में से 8,391 लगाए जा चुके हैं जिससे 99.18 प्रतिशत प्रगति हासिल हुई है. इसके माध्यम से 94 में से 92 ब्लॉक सेक्शनों को कवच सुरक्षा दायरे में लाया गया है. वहीं फेजङ्कटू के अंतर्गत 3 स्टेशनों पर इस टैग की स्थापना और परीक्षण कार्य भी पूरा कर लिया गया है.

718.74 किमी रूट पर ट्रायल

मंडल के तहत लोको परीक्षणों के नतीजे भी उत्साहजनक रहे हैं. फेज टू के लोको ट्रायल परासिया इकलेहरा पालाचौरी सेक्शन पर 10.79 किलोमीटर लंबे मार्ग और 2 ब्लॉक सेक्शनों में सफलतापूर्वक पूरे किए गए. वहीं फेज वन के तहत प्रस्तावित 991.42 रूट किलोमीटर में से 718.74 रूट किलोमीटर पर लोको ट्रायल संपन्न हो चुके हैं.

बाइक को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, युवक की मौत

बैतूल। झल्लार थाना क्षेत्र के अंतर्गत गुल्लर ढाणा के पास सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार बेल ढाना, थाना भैंसदेही निवासी सतीश डिकारे (20 वर्ष) अपने साथी अभिषेक गुणवंत राव (22 वर्ष) के साथ बाइक से जा रहा था। रास्ते में किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों युवक सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को तुरंत भैंसदेही के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। अभिषेक की हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां उसे आईसीयू में भर्ती किया गया है। वहीं सतीश को भी जिला अस्पताल लाया गया, जहां इलाज के दौरान कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। बताया गया है कि उसके पिता मानसिक रूप से अस्वस्थ हैं और सतीश ही अपने परिवार का एकमात्र सहारा था। घटना की सूचना मिलने पर जिला अस्पताल पुलिस चौकी ने सतीश का पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया। झल्लार थाना पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रणजी ट्रॉफी - उप्र के खिलाफ आज अंतिम जंग में उतरेगा विदर्भ, घरेलू मैदान का मिल सकता है फायदा

नागपुर, खेल प्रतिनिधि. मौजूदा रणजी चैम्पियन विदर्भ के लिए अब टूर्नामेंट का सबसे निर्णायक मोड़ आ चुका है. गुरुवार से वीसीए स्टेडियम, जामठा में शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप 'ए' के मुकाबले में विदर्भ की भिड़ंत उत्तर प्रदेश से होगी. नॉकआउट में जगह पक्की करने और शीर्ष 2 में बने रहने के लिए विदर्भ के लिए यह मैच 'करो या मरो' वाला है. अंक तालिका की तस्वीर फिलहाल विदर्भ के पक्ष में नहीं है. 6 मैचों में 25 अंकों के साथ टीम तीसरे स्थान पर है. झारखंड के भी इतने ही अंक हैं लेकिन बेहतर नेट रन रेट के कारण वह दूसरे पायदान पर है, जबकि आंध्र शीर्ष पर बना हुआ है. ऐसे में उत्तर प्रदेश के खिलाफ जीत न सिर्फ जरूरी बल्कि अनिवार्य हो गई है. हार या ड्रॉ की स्थिति में विदर्भ की नॉकआउट की राह कठिन हो सकती है. पिछले सप्ताह आंध्र के खिलाफ 8 विकेट से मिली हार ने विदर्भ को बड़ा झटका दिया था. यह हार इसलिए भी चौंकाने वाली रही क्योंकि इससे पहले टीम 16 मुकाबलों तक अजेय रही थी. 2023-24 के रणजी फाइनल में हार के बाद विदर्भ ने 2024-25 का पूरा सीजन बिना शिकस्त के खिताब जीतकर इतिहास रचा था. मौजूदा सत्र में भी टीम उसी लय को बरकरार रखने की कोशिश में है लेकिन आंध्र के खिलाफ मिली हार ने दबाव बढ़ा दिया है.

अंक तालिका पर एक नजर

आंध्र 28 अंक शीर्ष स्थान
झारखंड 25 अंक (बेहतर नेट रन रेट)
विदर्भ 25 अंक (तीसरा स्थान) विदर्भ के लिए जीत जरूरी, ताकि टॉप-2 में जगह बनाई जा सके

कप्तान हर्ष दुबे से बड़ी उम्मीदें

टीम संयोजन की बात करें तो विदर्भ को इस अहम मुकाबले में कुछ मजबूरियों से जूझना पड़ रहा है. नियमित कप्तान अक्षय वाडकर कलाई की चोट के कारण बाहर हैं, जबकि ध्रुव शौरी भी टीम का हिस्सा नहीं हैं. ऐसे में कप्तानी की जिम्मेदारी ऑलराउंडर हर्ष दुबे के कंधों पर है. पिछले सीजन रणजी इतिहास के सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे हर्ष दुबे से इस बार नेतृत्व के साथ-साथ मैदान पर प्रदर्शन की भी बड़ी उम्मीदें हैं. उन्हें बेहतर नेतृत्व के साथ अपनी विकेटटेकिंग फार्म वापस लाकर टीम को जीत की राह पर ले जाना होगा.

शीर्ष 10 में भूते शामिल, ठाकुर के साथ धार होगी तेज

गेंदबाजी विभाग में विदर्भ को मजबूती तब मिली जब अनुभवी तेज गेंदबाज यश ठाकुर की वापसी हुई. उनकी मौजूदगी से नई गेंद का आक्रमण धारदार नजर आता है. नचिकेत भूते इस सत्र में लगातार विकेट निकाल रहे हैं और 11 पारियों में 26 विकेट के साथ गेंदबाजों की सूची में शीर्ष 10 में शामिल हैं. उनकी इकोनॉमी और शुरुआती स्पेल उत्तर प्रदेश के बल्लेबाजों के लिए खतरा बन सकते हैं. वहीं पार्थ रेखड़े की फिरकी मध्यक्रम में मैच का रुख बदलने की क्षमता रखती है.

अमन और यश का बल्ला बदलेगा मैच का रुख

बल्लेबाजी में विदर्भ की रीढ़ अमन मोखाड़े और यश राठौड़ रहेंगे. अमन इस समय जबरदस्त फार्म में हैं- नौ पारियों में 649 रन, 3 शतक और 2 अर्धशतक उनके नाम हैं. घरेलू मैदान पर वे बड़ा स्कोर बनाने का माद्दा रखते हैं. वहीं यश राठौड़ ने 8 पारियों में 645 रन बनाकर खुद को बड़े मैचों का खिलाड़ी साबित किया है. दबाव में टिककर खेलने की उनकी क्षमता इस मुकाबले में बेहद अहम होगी.

नॉकआउट के लिए करो या मरो का रण

आयुष जन स्वास्थ्य कार्यक्रम से किया जागरूक

बैतूल। जिले में आयुष विभाग मध्य प्रदेश द्वारा संचालित आयुष जन स्वास्थ्य कार्यक्रम के माध्यम से आम नागरिकों एवं स्कूली छात्र-छात्राओं को आयुष चिकित्सा पद्धतियों की जानकारी देकर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए जागरूक किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य पहला सुख निरोगी काया के संदेश को जन-जन तक पहुंचना है। आयुष विभाग द्वारा जिले के विभिन्न विकासखंडों में नोडल अधिकारी डॉक्टर मनोज वर्मा एवं सहायक नोडल डॉक्टर रैना कासदे के मार्गदर्शन में जन-जागरूकता कार्यक्रम एवं स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। कार्यक्रम के अंतर्गत आयुष पद्धतियों के चिकित्सकों द्वारा स्कूलों में कार्यशालाओं के माध्यम से विद्यार्थियों को आयुर्वेद आधारित दिनचर्या, ऋतुचर्या, योगाभ्यास, प्राणायाम, स्वच्छता एवं संतुलित आहार के महत्व की जानकारी दी जा रही है। कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों एवं युवाओं को बदलते पर्यावरण, बढ़ते स्क्रीन टाइम और आधुनिक जीवनशैली के कारण होने वाले रोगों से बचाव के उपाय बताए जा रहे हैं। साथ ही आयुष उपचार द्वारा रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के तरीकों से भी अवगत कराया जा रहा है। वृद्धजनों के लिए ययोमित्र योजना, बेहतर संतति के लिए सुप्रजा कार्यक्रम तथा अस्थि एवं पेशियों से जुड़ी समस्याओं की रोकथाम को लेकर आमजन एवं वरिष्ठ नागरिकों को सुरक्षित व निरोगी रहने के उपाय सिखाए जा रहे हैं। जिला आयुष अधिकारी डॉ. योगेश चौकीकर ने बताया कि दिसंबर 2025 से जनवरी 2026 तक जिले में संचालित इस कार्यक्रम के अंतर्गत अब तक एक हजार से अधिक लोग लाभान्वित हो चुके हैं। आयुष विभाग के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी इस अभियान को सफल बनाने में निरंतर कार्यरत हैं।

माता-पिता के बिछड़े तीन वर्षीय मासुम बालक को पुलिस ने चंद घंटों में ही परिजनों के पास सुरक्षित पहुंचाया

,नवभारत न्यूज,

पांढुरना,28 जनवरी नागपुर निवासी तीन वर्षीय मासूम बालक के पांढुरना में लापता होने के दो घंटे के अंदर ही पुलिस द्वारा तलाश कर इस बालक को इसके माता पिता के पास सुरक्षित पहुंचाया,पुलिस की इस सफलता पर परिजनों के साथ ही ग्रामीणों द्वारा सराहना की जा रहीं है ।

नगर के बायपास से होकर गुजरने वाले प्रमुख नागपुर भोपाल राष्ट्रीय राजमार्ग पर घनपेठ के पास इस मुख्य सडक़ पर एक तीन वर्षीय मासुम बालक को रोता बिलखता देख राहगिरों ने इस बालक को पुलिस थाने लाकर सौप दिया। बालक बार-बार अपने आप को नागपुर का रहने वाला तथा अपना नाम स्वयं तथा पिता का नाम सुनील सकरड़े बता रहा था।

परिजनों से पिछले इस मासुम बालक को इसके माता पिता के पास सुरक्षित पहुंचाने को लेकर पुलिस द्वारा अपने मुखबिर तंत्र तथा अन्य स्त्रोंत से जानकारी जूटा में लग गई,वहीं इस बालक की फोटो को सोशल मीडिया के माध्यम से वायरल करने के साथ ही पुलिस की एक टीम इस बालक की फोटो को लेकर नगर के रिहायशी क्षेत्र में तो वहीं दूसरी टीम वायपास के इस मुख्य सडक़ के तीन से लेकर बड़चिचोली तक इसके माता पिता की तलाश में जूट गई । पुलिस के लगातार प्रयासों के चलते ही दूसरी टीम जब नगर से तीगांव की और मुख्य मार्ग से इस बालक के परिजनों की तलाश कर रहीं थी,इसी दौरान इन्हें ग्राम चिचखेड़ा के पास शाह के खेत में बने कोठे में रहने वाली मोहिनी सकरड़े द्वारा यह बालक उसी का होने की बात कहीं । पुलिस थाने के आरक्षक पुष्पेंद्र सिंह राजपुत जब इस बालक को लेकर वहां पहुचे तो इस बालक ने इसकी मां मोहिनी तथा सुनील सरकड़े को पहचान लिया,जिसके बाद पुलिस ने इस बालक को इसके माता पिता को सौपते हुए इस बालक का विशेष ध्यान रखने की बात कहीं ।

विद्यार्थियों के प्रशिक्षण पर दिया मार्गदर्शन

बैतूल। ओम आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल में श्री अंबा माता आरोग्य आश्रम, नीमच मध्य प्रदेश के परम पूज्य संत धन्वंतरी पीठाधीश्वर श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर संत सुरेशानंद सरस्वती का आगमन हुआ। कांची कामकोठी पीठाधीश्वर जयेंद्र सरस्वती द्वारा अंबा माता आरोग्य आश्रम को आयुर्वेद में अतुलनीय योगदान के लिए श्री धन्वंतरी पीठम् घोषित किया गया है। संत सुरेशानंद सरस्वती विगत 52 वर्षों से आयुर्वेद के क्षेत्र में जड़ी-बूटियों के माध्यम से रुग्ण मानवता की सेवा कर रहे हैं। इस सेवा कार्य को निरंतर रखने के लिए आपने 27 वर्ष पूर्व ग्राम निपानिया आबाद, जिला नीमच में श्री अंबा माता आरोग्य धाम श्री धन्वंतरी पीठम् की स्थापना की, जहां दूर-दूर से रोगग्रस्त व्यक्ति आकर आरोग्य लाभ प्राप्त करते हैं। आप नई पीढ़ी में आयुर्वेद को स्थापित करने, उसके प्रभाव और परिणाम का प्रत्यक्ष अनुभव कराने, विश्वास बढ़ाने और जागरूकता लाने के उद्देश्य से विभिन्न महाविद्यालयों के बीएएमएस एवं पीजी विद्यार्थियों को प्रायोगिक प्रशिक्षण दे रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान नि:शुल्क नाड़ी परीक्षण के माध्यम से रोगों की पहचान एवं जड़ी-बूटियों द्वारा निदान की प्रक्रिया पर विद्यार्थियों को जानकारी दी गई। संत सुरेशानंद सरस्वती ने मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार सहित अनेक प्रांतों में आयुर्वेद का प्रचार-प्रसार किया है। साथ ही कनाडा, अमेरिका, जर्मनी और नेपाल जैसे देशों से भी रोगी आश्रम पहुंचकर आयुर्वेदिक चिकित्सा का लाभ लेते हैं। कार्यक्रम की रूपरेखा प्राचार्य के आदेशानुसार डॉ. चेतना एवं डॉ. अमित श्रीवास्तव द्वारा तैयार की गई। कार्यक्रम में संस्था के अध्यक्ष गणेश प्रसाद मालवीय, कोषाध्यक्ष सोनू पाल एवं प्राचार्य डॉ. विजय माने उपस्थित रहे। इस अवसर पर ओम आयुर्वेद परिवार गर्व और खुशी से सराबोर नजर आया। कार्यक्रम में डॉ. शशिभूषण साहू, डॉ. कमलेश सोनार, डॉ. डॉली झाड़े, डॉ. स्नेहलता भोई, डॉ. पपिहा, डॉ. नरेंद्र नरवरे, डॉ. नीलम, डॉ. शशिभूषण, डॉ. संदीप पल, डॉ. दीपक साहू, डॉ. स्नेहल, डॉ. स्नेहलता, डॉ. धर्मेंद्र, डॉ. उदय देशमुख, डॉ. मेश्राम सहित समस्त शिक्षकगण एवं बीएएमएस के सभी व्यावसायिक वर्ष के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

यातायात नियमों का पालन करना जरूरी : टीआई

सारनी। यातायात नियमों का पालन करना जरूरी है। नियमों का पालन नहीं करने वाले वाहन चालकों से जुर्माना वसुला जा रहा है, उपरोक्त उदगार टीआई जयपाल इवनाती ने व्यक्त किये है। पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र जैन के निर्देश पर सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत वाहनों की सघन चेकिंग की जा रही है. बगैर हेलमेट एवं बिना कागजात के वाहन चालकों पर चालानी कारवाही कर समन शुल्क लिया जा रहा है। पुलिस ने गुणवत्त बाबा मंदिर के पास मुख्य मार्ग पर सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस ने लापरवाह चालकों के चालान काटे, बल्कि उन्हें जीवन की कीमत समझाते हुए यातायात नियमों के पालन की शपथ भी दिलाई। पुलिस टीम ने गुणवत्त बाबा मंदिर के सामने मुख्य मार्ग पर पर वाहनों की चेकिंग शुरू की बगैर हेलमेट और सीट बेल्ट के वाहन चला रहे चालकों में हड़कंप मच गया। कई चालक पुलिस को देखकर गलियों में वाहन मोड़ते नजर आए। चेकिंग के दौरान पुलिस ने मुख्य रूप से दोपहिया वाहनों पर हेलमेट न लगाने वाले और चार पहिया वाहनों में सीट बेल्ट का उपयोग न करने वालों को रोककर कार्रवाई की। पुलिस ने बुधवार को इस अभियान के तहत 33 चालान बनाये है। टीआई श्री इवनाती ने कहा कि चेकिंग के दौरान 50 से अधिक वाहन चालकों को चेतावनी देकर छोड़ा है, उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य केवल चालान काटना नहीं,बल्कि लोगों को सुरक्षित घर पहुंचाना है। हेलमेट और सीट बेल्ट आपकी सुरक्षा के लिए हैं, पुलिस के डर के लिए नहीं। थाना प्रभारी ने कई युवाओं को रोककर उन्हें सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़े बताए।

विश्वकर्मा जयंती महोत्सव का शुभारंभ आज

बैतूल। विश्वकर्मा (बढ़ई) समाज समिति के तत्वावधान में भगवान श्री विश्वकर्मा जी के जन्मोत्सव अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय जयंती महोत्सव का शुभारंभ आज से श्री विश्वकर्मा मंदिर बैतूल में किया जा रहा है। 29 से 31 जनवरी तक चलने वाले इस महोत्सव में धार्मिक अनुष्ठान, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं विविध सामाजिक आयोजन होंगे, जिसमें समाज के सभी वर्गों की सहभागिता रहेगी। महोत्सव के प्रथम दिन आज 29 जनवरी को सुबह 10 बजे से भगवान श्री लक्ष्मीनारायण जी का अभिषेक, हवन, पूजन, छप्पन भोग एवं प्रसादी का आयोजन किया जाएगा। दोपहर 12 बजे तक प्रतिभावान छात्र-छात्राएं अपनी अंकसूची, प्रमाण पत्र एवं विशेष योग्यता की जानकारी मंदिर कार्यालय में जमा कर सकेंगे। कल 30 जनवरी शुक्रवार को दोपहर 1 बजे से महिलाओं, पुरुषों एवं बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। इसमें रंगोली, चित्रकारी, काष्ठ कला, क्राफ्ट कला, फैंसी ड्रेस, गायन, एकल व सामूहिक नृत्य, थाल सज्जा, काव्य पाठ एवं कुर्सी दौड़ प्रतियोगिताएं होंगी। रंगोली एवं चित्रकारी की सामग्री प्रतिभागियों को स्वयं लानी होगी तथा गायन के लिए सिंगल गाने की सीडी या पेनड्राइव लाना अनिवार्य रहेगा। समापन दिवस 31 जनवरी शनिवार को सुबह 8 से 10 बजे तक भगवान श्री विश्वकर्मा जी का अभिषेक, हवन, पूजन एवं प्रसादी होगी। इसके बाद सुबह 10 से 12 बजे तक विशाल बाइक रैली निकाली जाएगी। दोपहर 12 बजे से श्रद्धांजलि, वयोवृद्धजनों का सम्मान, मुख्य अतिथियों एवं बाहर से आए अतिथियों का सम्मान, स्वागत उद्बोधन, प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान एवं पारितोष वितरण, सचिव द्वारा गत वर्ष के आय-व्यय एवं दानदाताओं की सूची का वाचन तथा अध्यक्ष का उद्बोधन व आभार प्रदर्शन किया जाएगा। दोपहर 2 बजे से भंडारा प्रसादी का आयोजन रहेगा।

सहयोगी समितियां करेंगी सहभागिता : समिति ने 31 जनवरी को सभी सामाजिक बंधुओं से अपने कारखाने एवं प्रतिष्ठान बंद रखकर सपरिवार कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है। आयोजन में आमला, चिचोली, सारणी, भैसदेही, आठनेर, मुलताई व मोरखा क्षेत्र की सहयोगी समितियां सहभागिता करेंगी।